दि० ३१/१२/२०२५

दै० पुण्यनगरी

# भिवंडीत सर्वपक्षीयांचा स्वबळाचा नारा; १,०३३ उमेदवारी अर्ज

भिवंडी : भिवंडी शहर महापालिकेच्या आगामी होणाऱ्या निवडणुकीसाठी महायुती व महाविकास आघाडी होत नसल्याने भाजप, शिवसेना, काँग्रेस व राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्षाच्या इच्छुक उमेदवारांनी जोरदार शक्तिप्रदर्शन करीत आपले उमेदवारी अर्ज दाखल केले आहेत. भिवंडीतील विविध ठिकाणी असलेल्या सात निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालयात एकूण १,०३३ उमेदवारी अर्ज दाखल झाल्याची माहिती पालिकेच्या जनसंपर्क विभागाकडून देण्यात आली.

महापालिकेच्या निवडणुकीनिमित्त शिवसेना-भाजप महायुती व काँग्रेस, समाजवादी पक्ष व राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्षाची आघाडी होईल, अशी अपेक्षा उमेदवार, पदाधिकारी व कार्यकर्त्यांना होती, मात्र या पक्षांच्या पदाधिकाऱ्यांच्या सर्व बैठका विफल ठरल्याने अखेर नाराज झालेल्या उमेदवारांनी स्वतंत्रपणे आपले उमेदवारी अर्ज दाखल केले आहेत. काही उमेदवारांना पक्षाने एबी फॉर्म दिलेला नाही, त्यांनी अपक्ष म्हणून उमेदवारी अर्ज दाखल करून बंडाचे निशाण फडकावले आहे, तर शिवसेना ठाकरे गट व मनसे या पक्षांनी युती करून आपले उमेदवार उभे केले आहेत. उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याच्या दिवशी कोण रिंगणात राहते व कोण उमेदवारी मागे घेणार याकडे आता सर्वांचे लक्ष लागले आहे. दरम्यान, भिवंडी पालिका कार्यक्षेत्रात २३ प्रभागात ९० वॉर्ड आहेत.

दै० लोकमत

# १०३३ उमेदवारी अर्ज दाखल

भिवंडी : महापालिकेच्या २३ प्रभागांतील एकूण ९० जागांकरिता विविध पक्ष व अपक्ष उमेदवारांचे १०३३ उमेदवारी अर्ज दाखल झाल्याची माहिती पालिका निवडणूक विभागाकडून मंगळवारी देण्यात आली आहे. निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय १ मध्ये एकूण ११७ उमेदवारी अर्ज दाखल झाले असून, निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय २ मध्ये ११५, निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय ३ मध्ये २०३, निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय ४ मध्ये २२१, निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय ५ मध्ये १३२, निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय ६ मध्ये १२६ तर निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय ७ मध्ये ११९ उमेदवारी अर्ज दाखल झाले आहेत.

दै० महाराष्ट्र टाईम्स

# भिवंडीत अखेरच्या दिवशी ७५० अर्ज

ठाणे : भिवंडी महापालिकेच्या निवडणुकीमध्ये उमेदवारी अर्ज दाखल करण्याच्या अखेरच्या दिवशी, मंगळवारी ७६३ अर्ज दाखल झाल्याची माहिती महापालिका प्रशासनाने दिली. एकूण अर्जांची संख्या एक हजार ३३ आहे. किती जण अर्ज मागे घेतात, याकडे लक्ष लागले आहे.

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

पृ० नवभारत टाइम्स

# भिवंडी: मैदान में 1028 प्रत्याशी

NBT न्यूज,भिवंडी : भिवंडी मनपा चुनाव में कुल 1028 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इनमे 265 उम्मीदवारों ने अंतिम दिन मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। पार्टी से टिकट न मिलने से नाराज लोगों ने निर्दलीय उमीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया, जिससे यहां निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक है। भिवंडी मनपा में महापौर बनाने का दावा करने वाली कांग्रेस, सपा एवं शिवसेना सहित ज्यादातर पार्टियों ने अधिकांश सीटों पर उम्मीदवार उतारे है। सबसे अधिक लगभग 70 सीटों से कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवार लड़ाने का दावा किया है। पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने सबसे अधिक बागी उम्मीदवारों के परिवारों पर भरोसा जताया है।

## किस पार्टी से कितने कैंडिडेट ने भरे हैं पर्चे

| | |
|---|---|
| शिंदेसेना शिंदे | 20 |
| बीजेपी | 34 |
| समाजवादी पार्टी | 62 |
| एनसीपी ( AP) | 34 |
| एनसीपी (SP) | 47 |
| कांग्रेस | 70 |
| मनसे | 10 |
| उद्धवसेना | 45 |
| एमआईएम | 15 |
| कोणार्क आघाड़ी | 04 |
| भिवंडी विकास आघाडी | 04 |
| सीपीआई | 02 |

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2025

हिन्दी स्था. खबर-दद-खबर दि०31/12/2025 से 6/1/2026

# चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक प्रचार पर सख्ती

■ केडीके न्यूज नेटवर्क

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की आम चुनाव प्रक्रिया 2025-26 को निष्पक्ष, पारदर्शी और आदर्श आचार संहिता के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रचार-प्रसार को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग द्वारा 9 अक्टूबर 2025 को जारी अधिसूचना 'चुनाव प्रयोजनार्थ प्रसार माध्यम संनियंत्रण एवं विज्ञापन प्रमाणन आदेश-2025' के अनुसार अब किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर विज्ञापन प्रसारित करने से पहले पूर्व-प्रमाणन लेना अनिवार्य होगा।

इन निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए भिवंडी महानगरपालिका स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त अनमोल सागर होंगे, जबकि पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, उपायुक्त (चुनाव) विक्रम दराडे तथा संबंधित निर्वाचन अधिकारी सदस्य होंगे। जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी को सदस्य-सचिव नियुक्त किया गया है। निर्देशों के अनुसार दूरदर्शन, सैटेलाइट व केबल चैनल, यूट्यूब, सोशल मीडिया, एफएम रेडियो, आकाशवाणी, सिनेमा हॉल, सार्वजनिक स्थानों पर ऑडियो-विजुअल डिस्प्ले, ई-न्यूजपेपर, बल्क वॉइस एसएमएस और वेबसाइट जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से विज्ञापन प्रसारित करने से पहले समिति की अनुमति आवश्यक होगी। बिना पूर्व-प्रमाणन के किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रसारण या प्रकाशन प्रतिबंधित रहेगा।

## विज्ञापन के लिए पूर्व-प्रमाणन अनिवार्य

पूर्व-प्रमाणन के लिए विज्ञापन प्रसारण की प्रस्तावित तिथि से कम से कम पांच कार्य दिवस पूर्व परिशिष्ट-4 के अनुसार आवेदन करना होगा। आवेदन भिवंडी महानगरपालिका मुख्यालय के कक्ष क्रमांक 211 स्थित मीडिया मॉनिटरिंग कक्ष में आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना अनिवार्य है। विज्ञापन की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियां दो पेन ड्राइव में तथा सत्यापित मुद्रित प्रतियां भी जमा करनी होंगी। चुनावी विज्ञापन पर होने वाला खर्च राजनीतिक दल या उम्मीदवार के चुनाव खर्च में दर्ज किया जाएगा और भुगतान केवल चेक, ड्राफ्ट या ऑनलाइन माध्यम से ही मान्य होगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि संविधान विरोधी धर्म-जाति के आधार पर वैमनस्य फैलाने वाले, हिंसा भड़काने वाले, झूठे आरोप, अश्लीलता, न्यायालय की अवमानना, राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाले अथवा रक्षा बलों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री वाले विज्ञापनों को न तो अनुमति दी जाएगी और न ही उनका प्रमाणन होगा। समिति आवेदन प्राप्त होने के तीन कार्यदिवस में निर्णय लेगी और आवश्यक संशोधन सुझा सकेगी, जिनका पालन उम्मीदवार या दल के लिए अनिवार्य होगा। 15 जनवरी 2026 को होने वाले मनपा चुनाव को निष्पक्ष और भयमुक्त बनाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और मीडिया संस्थानों से इन दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

Scanned with OKEN Scanner

हि० 29/12/2024

हि० मुंबई इनकलाब

# بھیونڈی: پرچہ نامزدگی داخل کرنے کے آخری دن زبردست سیاسی گہما گہمی

## ایک ہزار ۵۵/ امیدوار میدان میں۔ کوئی بھی پارٹی تمام ۹۰/ سیٹوں پر امیدوار اتارنے میں ناکام

**بھیونڈی**، (خالد عبدالقیوم انصاری): میونسپل کارپوریشن کے انتخابات کیلئے منگل کو پرچہ نامزدگی داخل کرنے کے آخری دن سیاسی گہما گہمی عروج پر تھی۔ بغاوت کو روکنے کیلئے آخری وقت تک پارٹیوں کی جانب سے ناموں کا اعلان نہ کئے جانے کے باعث آخری دن ۷۶۳/ امیدواروں نے مختلف پارٹیوں اور آزاد امیدوار کے طور پر پرچہ نامزدگی داخل کیا۔ میونسپل انتخابات میں مجموعی طور پر ایک ہزار ۵۵/ امیدواروں نے پرچہ نامزدگی داخل کیا ہے۔

پرچہ نامزدگی داخل کرنے کے آخری دن منگل کو پورے دن لیڈروں کی وفاداری تبدیل کرنے کا سلسلہ جاری رہا، اس کے باوجود کوئی بھی سیاسی پارٹی پورے ۹۰/ سیٹوں پر اپنے امیدوار نہیں اتار سکی۔ حیرت انگیز طور پر سابق میئر جاوید دلوی کانگریس کے بجائے بھیونڈی وکاس اگھاڑی کے ٹکٹ پر انتخابی میدان میں ہیں جبکہ سماج وادی پارٹی کے اسکریننگ کمیٹی کے ۱۵/ اراکین میں شامل فراز بہاؤالدین (بابا) پارٹی چھوڑ کر این سی پی (شرد پوار) کے ٹکٹ پر انتخابی میدان میں ہیں۔ اسی طرح کانگریس چھوڑ کر این سی پی میں شامل ہونے والے حلیم انصاری 'توتاری' کے نشان پر انتخاب لڑ رہے ہیں، وہیں بازو کے وارڈ میں ان کا بیٹا حذیفہ انصاری کانگریس کے ٹکٹ پر انتخابی میدان میں ہیں۔

موصولہ اطلاعات کے مطابق انتخابی میدان میں کانگریس نے سب سے زیادہ ۷۰/ امیدوار اتارے ہیں۔ اس کے بعد سماج وادی پارٹی نے ۶۲/ امیدوار، این سی پی (شرد پوار) نے ۴۷/، شیوسینا (ادھو) ۴۵، بی جے پی اور این سی پی (اجیت پوار) ۳۴، ۳۴، مجلس اتحاد المسلمین (ایم آئی ایم) ۱۵، مہاراشٹر نونرمان سینا (ایم این ایس) نے ۱۰/ امیدوار اتارے ہیں۔

مقامی سطح پر سرگرم کونارک وکاس اگھاڑی اور بھیونڈی وکاس اگھاڑی کے ۴، ۴/ امیدوار میدان میں ہیں۔ سی پی آئی نے ۲/ امیدوار کھڑے کئے ہیں۔ سیاسی تجزیہ نگاروں کا ماننا ہے کہ کسی بھی ایک جماعت کیلئے واضح اکثریت حاصل کرنا آسان نہیں ہوگا۔ ایسے میں اتحاد اور انتخابی مفاہمت فیصلہ کن کردار ادا کر سکتی ہے۔

واضح ہو کہ آخری دن ۷۶۳/ امیدواروں نے اپنا پرچہ داخل کیا۔

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दी सा. अबद- दर. खबर दि. 31/12/2024 से दि. 6/1/2025

## भिवंडी महानगर पालिका चुनाव : आधी सीटें महिलाओं के नाम

# वार्डवार आरक्षण से बदलेगा शहर का चुनावी समीकरण

■ मुनीर अहमद मोमिन

मनपा के कुल 90 प्रभागों (सीटों) के लिए जारी आरक्षण सूची में 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की हैं। जिससे निकाय चुनावों में महिलाओं की भागीदारी अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इस विभाजन के तहत अनुसूचित जाति (SC) के लिए 3 सीटें, जिनमें से 2 SC महिला हेतु हैं, अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए 1 सीट, जबकि पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए 24 सीटें, जिनमें से 12 महिलाओं हेतु आरक्षित की गई हैं। शेष 62 सीटें सर्वसाधारण (General) वर्ग के लिए हैं। जिनमें 31 सीटें महिलाओं को दी गई हैं। वार्डवार आरक्षण में वार्ड 1 से 3 अनुसूचित जाति (महिला), वार्ड 4 से 6 ओबीसी (जिसमें वार्ड 5 महिला), वार्ड 7 से 9 सामान्य वर्ग, वार्ड 10 से 12 अनुसूचित जाति (जिसमें 11 महिला), वार्ड 13 से 18 ओबीसी (वार्ड 16 महिला सहित) और वार्ड 19 से 24 सामान्य वर्ग (वार्ड 22 महिला सहित) के अंतर्गत रखे गए हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार यह विभाजन लोकसंख्या और जातीय अनुपात के आधार पर किया गया है।

हालांकि कुछ वार्डों में आरक्षण श्रेणी में हुए फेरबदल से स्थानीय नेताओं और मतदाताओं में असंतोष देखा जा रहा है। कई प्रभावशाली पार्षदों के वार्ड अब आरक्षित हो जाने से राजनीतिक दलों के टिकट वितरण में जटिलताएं बढ़ गई हैं। वहीं विश्लेषकों का मत है कि यह नई रूपरेखा महिलाओं और पिछड़े वर्गों की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा देगी और स्थानीय नेतृत्व में सामाजिक संतुलन स्थापित करेगी। गौरतलब है कि भिवंडी में यह आरक्षण न केवल चुनावी समीकरणों को नया रूप दे रहा है। बल्कि स्थानीय स्तर पर महिला नेतृत्व, सामाजिक न्याय और समावेशी प्रतिनिधित्व के नए अध्याय की शुरुआत का संकेत भी दे रहा है।

### ■ 23 वार्डों में सीटों का विस्तृत आरक्षण इस प्रकार है

**अनुसूचित जाति (SC):** SC महिला के लिए वार्ड क्रमांक 17 की सीट 17-अ और वार्ड क्रमांक 20 की सीट 20-अ आरक्षित है। SC सर्वसाधारण के लिए वार्ड क्रमांक 21 की सीट 21-अ आरक्षित है।

**अनुसूचित जनजाति (ST):** ST सर्वसाधारण के लिए वार्ड क्रमांक 13 की सीट 13-अ आरक्षित है।

**पिछड़ा वर्ग (OBC):** OBC महिला के लिए वार्ड क्रमांक 1-अ, 2-अ, 3-अ, 4-अ, 9-अ, 13-ब, 14-अ, 15-अ, 18-अ, 19-अ, 21-ब, 22-अ और 23-अ आरक्षित हैं। OBC सर्वसाधारण के लिए वार्ड क्रमांक 5-अ, 6-अ, 8-अ, 10-अ, 11-अ, 12-अ, 14-ब, 17-ब और 20-ब आरक्षित हैं।

**सर्वसाधारण (General) सीटें:** कुल 62 सीटों में से, सर्वसाधारण महिला के लिए वार्ड क्रमांक 1-ब, 2-ब, 3-ब, 4-ब, 5-ब, 5-क, 6-ब, 6-क, 7-ब, 7-क, 8-ब, 8-क, 9-ब, 9-क, 10-ब, 10-क, 11-ब, 11-क, 12-ब, 12-क, 13-क, 14-क, 15-ब, 16-ब, 16-क, 17-क, 18-ब, 19-ब, 20-क, 21-क और 23-ब आरक्षित हैं। इसी तरह 11, 14, 18, 22, 23।

शेष 31 सीटें सर्वसाधारण (पुरुष/महिला) के लिए हैं। जिनमें वार्ड क्रमांक 1-क, 1-ड, 2-क, 2-ड, 3-क, 3-ड, 4-क, 4-ड, 5-ड, 6-ड, 7-ड, 8-ड, 9-ड, 10-ड, 11-ड, 12-ड, 13-ड, 14-ड, 15-क, 16-ड, 17-ड, 18-क, 18-ड, 19-क, 19-ड, 20-ड, 21-ड, 22-ब, 22-क, 23-क और 23-ड शामिल हैं।

### पिछले चुनाव की तुलना में 1.89 लाख की बढ़ोतरी

महापालिका क्षेत्र के 23 प्रभागों में कुल 6,69,033 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इनमें
पुरुष मतदाता : 3,80,623
महिला मतदाता : 2,88,097
अन्य मतदाता : 311
मतदाता शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि साल 2017 के पिछले मनपा आम चुनाव में कुल 4,79,253 मतदाता दर्ज थे। यानी आठ वर्षों में भिवंडी में 1,89,780 नए मतदाता जुड़े हैं। यह वृद्धि शहर की जनसंख्या में हुए इजाफे के साथ-साथ नए नामांकन और अद्यतन प्रक्रिया में आई सक्रियता को भी दर्शाती है।

## 23 वार्डों की वार्डवार मतदाता संख्या

वार्ड नंबर 1 में 13703 पुरुष मतदाता, 11776 महिला मतदाता और अन्य 11 मतदाताओं सहित कुल 25490 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 2 में 18117 पुरुष, 14467 महिला और 3 अन्य मतदाता सहित कुल 32587 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 3 में 14925 पुरुष, 10253 महिला और 59 अन्य मतदाता सहित कुल 25237 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 4 में 15497 पुरुष, 11914 महिला और 3 अन्य मतदाता सहित कुल 27414 मतदाता हैं। इसी तरह वार्ड नंबर 5 में 14769 पुरुष, 13951 महिला और 2 अन्य मतदाता सहित कुल 28722 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 6 में 14912 पुरुष और 14170 महिला सहित कुल 29082 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 7 में 15172 पुरुष और 11827 महिला सहित कुल 26999 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 8 में 17160 पुरुष, 14087 महिला और अन्य 13 मतदाता सहित कुल 31260 मतदाता हैं।

इसी प्रकार वार्ड नंबर 9 में 16470 पुरुष, 13625 महिला और अन्य 2 मतदाता सहित कुल 30097 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 10 में 13850 पुरुष, 12324 महिला और अन्य 5 मतदाता सहित कुल 26179 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 11 में 22097 पुरुष, 14940 महिला और अन्य 34 मतदाता सहित कुल 37071 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 12 में 19138 पुरुष, 14360 महिला और अन्य 3 मतदाता सहित कुल 33501 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 13 में 18622 पुरुष, 11084 महिला और अन्य 2 मतदाता सहित कुल 29708 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 14 में 15430 पुरुष, 11888 महिला और अन्य 1 मतदाता सहित कुल 27319 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 15 में 13668 पुरुष, 9535 महिला और अन्य 4 मतदाता सहित कुल 23207 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 16 में 22269 पुरुष, 16513 महिला और अन्य 75 मतदाता सहित कुल 38857 मतदाता हैं।

इसी क्रम में वार्ड नंबर 17 में 14827 पुरुष और 12342 महिला सहित कुल 27169 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 18 में 17349 पुरुष, 12876 महिला और अन्य 10 मतदाता सहित कुल 30235 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 19 में 19057 पुरुष, 13089 महिला और अन्य 14 मतदाता सहित कुल 32160 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 20 में 17579 पुरुष, 9011 महिला और अन्य 48 मतदाता सहित कुल 26638 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 21 में 16317 पुरुष, 13439 महिला और 8 अन्य मतदाता सहित कुल 29764 मतदाता हैं। वार्ड नंबर 22 में 15004 पुरुष, 9834 महिला और अन्य 2 मतदाता सहित कुल 24840 मतदाता हैं। तथा वार्ड नंबर 23 में 14691 पुरुष मतदाता, 10792 महिला मतदाता और 14 अन्य मतदाताओं सहित कुल 25497 मतदाता हैं। इस तरह 23 वार्ड मिलाकर कुल 380623 पुरुष, 288097 महिला और 313 अन्य मतदाताओं सहित कुल 669033 मतदाताओं का समावेश है।

दि. 31/12/2024

दि० ३१/१२/२०२५

दै० मराठी सा. अंतिम शब्द

# भिवंडी निजामपूर शहर महानगपालिका सार्वत्रिक निवडणूक २०२५-२६

**आचारसंहिता पथकाकडून रुपये ८.२८ लक्ष रक्कम जप्त**

भिवंडी : निजामपूर शहर महानगरपालिका निवडणूक आदर्श आचारसंहिता कालावधीत स्थिर तपासणी पथकाने (Static Surveillance Team) नदीनाका परिसरात आचारसंहिता पथक प्रमुख तथा अतिरीक्त आयुक्त, विठ्ठल डाके व शाकीब खर्बे यांचे नियंत्रणाखाली दिनांक २३.१२.२०२५ रोजी सायंकाळी ०६.३८ वाजता तपासणी दरम्यान चारचाकी वाहन किया सेल्टॉस क्रमांक MH48 DD 9324 या वाहनातून रु. ८, २८, ९००/- इतकी रोख रक्कम जप्त करण्यात आली.सदर रकमेबाबत संबंधितांकडे पथकातील अधिकाऱ्यांनी विचारपूस केली असता, कोणतेही समाधानकारक उत्तर अथवा वैध कागदपत्रे, पुरावे सादर करण्यात आले नाहीत. त्यामुळे सदर रक्कम दोन पंचांच्या उपस्थितीत पंचनामा करून पुढील कायदेशीर कार्यवाहीसाठी वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक, निजामपूर पोलीस ठाणे यांच्या सुपूर्द करण्यात आली आहे. सदर कारवाई वेळी पथक प्रमुख गौतम आनंद भालेराव, मारोती भागोजी भारती पोलीस हवलदार, निखील साळवे, एजाज शेख व मनोज गुज्जा हे उपस्थित होते.

बातमीदार : सुनील झळके

Scanned with OKEN Scanner

दि. 29/12/2025

हिंदी सा. खबर-दर-खबर दि. 29/12/2025 से दि. 4/1/2026

# अयोग्य नगरसेवकों की सत्ता वापसी की साजिश

## परिवारजनों को आगे कर चली नई चाल

■ केडीके न्यूज नेटवर्क

राजनीति में नैतिकता का हास जब पराकाष्ठा पर पहुंचता है, तो कानून की बंदिशें भी बौनी नजर आने लगती हैं। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका के चुनाव से पूर्व शहर की सियासत में 'प्रॉक्सी' उम्मीदवारों के जरिए सत्ता की चाबी अपने पास रखने की जो कवायद शुरू हुई है, उसने लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। दल-बदल कानून के तहत अयोग्य घोषित किए गए 18 पूर्व नगरसेवक/नगरसेविका अब खुद चुनावी समर में न उतरकर अपने परिजनों, पत्नी, बेटे, बेटी, बहू और सगे-संबंधियों को 'मोहरे' के रूप में शेष पेज 2 पर...

### ■ लोकतंत्र की कसौटी पर भिवंडी मनपा चुनाव

इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक दलों की भूमिका, टिकट वितरण की प्रक्रिया और उनकी नैतिक साख पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। भिवंडी का यह चुनाव अब केवल मनपा गठन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोकतंत्र की मर्यादा और जनता के भरोसे की निर्णायक कसौटी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल सत्ता की चाह में नैतिक मूल्यों की बलि चढ़ाएंगे? इसका उत्तर अब मतदाताओं के विवेक और निर्णय पर निर्भर करता है, जो चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और लोकतांत्रिक विश्वास की दिशा तय करेगा।

### अयोग्य घोषित 18 पार्षदगण

6 साल के लिए अयोग्य घोषित हुए नगरसेवक/नगरसेविकाओं के नाम निम्न हैं...

1. श्रीमती नमरा औरंगजेब अंसारी, वॉर्ड नंबर-2ए।
2. श्रीमती मिस्बाह इमरान खान, वार्ड नंबर-2बी।
3. इमरान वली मोहम्मद खान, वार्ड नंबर-2सी।
4. अहमद हुसैन मगरु सिद्दीकी, वार्ड नंबर-2डी।
5. अरशद मोहम्मद असलम अंसारी, वार्ड नंबर-4ए।
6. श्रीमती शबनम महबुबुर्रमान अंसारी वार्ड नंबर-4बी।
7. श्रीमती अंजुम अहमद हुसैन सिद्दीकी वार्ड नंबर 4सी।
8. मलिक नजीर मोमिन, वार्ड नंबर 5ए ।
9. श्रीमती जरीना नफीस अंसारी, वार्ड नंबर 5बी।
10. श्रीमती साजिदा मोमिन वार्ड नंबर 7ए।
11. श्रीमती शकीरा अहमद शेख, वार्ड नंबर-8बी।
12. श्रीमती समीना सोहेल शेख, वार्ड नंबर 8सी।
13. श्रीमती राबिया मो. शमीम अंसारी, वार्ड नंबर-9सी।
14. स्व. तफज्जुल हुसैन अंसारी, वार्ड नंबर-9डी।
15. श्रीमती शिफा अशफाक अंसारी, वार्ड नंबर-10बी।
16. नसरुल्लाह नूर मोहम्मद अंसारी, वार्ड नंबर-11डी।
17. श्रीमती हुस्ना परवीन मो. याकूब अंसारी, वार्ड नंबर 14बी।
18. मतलूब अफजल खान, वार्ड नंबर 14बी

के नामों का समावेश है।

पेज 1 का शेष....

## अयोग्य नगरसेवकों की सत्ता वापसी...

इस्तेमाल कर सत्ता के गलियारों में वापसी की व्यूह रचना कर रहे हैं।

### ■ दलबदल का दंश और कानूनी प्रहार

स्मरण रहे कि वर्ष 2017 में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए 47 नगरसेवकों में से 18 ने दल बदल की राह चुनी थी। लंबी कानूनी जद्दोजहद के बाद, महाराष्ट्र महानगरपालिका सदस्य अयोग्यता अधिनियम 1986 की धारा 3 (1) (ब) के तहत तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इन बागी पार्षदों को 31 दिसंबर 2021 से छह वर्षों के लिए अयोग्य करार दिया था। यह निर्णय न केवल इन नेताओं के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका था, बल्कि लोकतांत्रिक शुचिता की रक्षा की दिशा में एक कड़ा संदेश भी था।

### ■ वंशवाद और 'पिछवाड़े' से सत्ता में घुसपैठ

कानून की सख्ती से बचने के लिए अब इन पूर्व नगरसेवकों ने 'परिवारवाद' का सहारा लिया है। सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) और एमआईएम (MIM) जैसे दलों के भीतर इन अयोग्य घोषित नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। रणनीति स्पष्ट है कि टिकट परिवार को और सत्ता की लगाम पूर्व नगरसेवक के हाथ में। यह सीधे तौर पर मतदाताओं के विवेक और कानून की मूल भावना के साथ क्रूर मजाक है। राजनीतिक दलों की मजबूरी और जीत के गणित ने इन 'दागी' चेहरों को एक बार फिर पर्दे के पीछे से मोलभाव करने की ताकत दे दी है।

### ■ लोकतंत्र की कसौटी पर भिवंडी की साख

सियासी गलियारों में चर्चा है कि यदि राजनीतिक दल इन अयोग्य नेताओं के परिजनों को प्रश्रय देते हैं तो यह न केवल दल-बदल विरोधी कानून के उद्देश्यों को विफल करेगा, बल्कि जनमत के प्रति एक विश्वासघात भी होगा। भिवंडी का यह चुनाव अब महज एक स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं, बल्कि इस बात की परीक्षा है कि क्या मतदाता 'चेहरा बदलकर' आने वाली पुरानी अवसरवादिता को पहचान पाएंगे?

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

दै० सकाळ

भिवंडी : विविध पक्षाच्या उमेदवारांनी शक्तिप्रदर्शन करीत अर्ज दाखल केले.

# शक्तिप्रदर्शन, रॅलीने भिवंडी दणाणले

## ढोल-ताशांच्या गजरात अर्ज दाखल

भिवंडी, ता. ३० (वार्ताहर) : महापालिका सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी उमेदवारी अर्ज भरण्याच्या शेवटच्या दिवशी कामतघर परिसरात राजकीय वातावरण चांगलेच तापले होते.

शिवसेनेचे माजी उपमहापौर मनोज काटेकर यांनी ढोल-ताशांच्या गजरात आणि शेकडो कार्यकर्त्यांच्या उपस्थितीत उमेदवारी अर्ज दाखल केले. तसेच माजी नगरसेविका वंदना काटेकर, तसेच संदीप भोईर आणि वनिता सुनील भगत यांनीही आपले उमेदवारी अर्ज भरले.

विधानसभा निवडणुकीत शिवसेना शिंदे गटाकडून नशीब अजमावणारे माजी नगरसेवक संतोष शेट्टी यांनी पुन्हा एकदा भारतीय जनता पक्षात 'घरवापसी' केली असून, त्यांनी भाजपच्या चिन्हावर आपला उमेदवारी अर्ज दाखल केला आहे. प्रभाग १७ मधून भाजपने त्यांना उमेदवारी जाहीर केल्याने येथील राजकीय समीकरणे बदलली आहेत. संतोष शेट्टींसोबतच माजी खासदार कपिल पाटील यांचे पुतणे सुमीत पाटील आणि आरपीआय (आठवले गट) शहराध्यक्ष महेंद्र गायकवाड यांच्या पत्नी नंदिनी गायकवाड यादेखील भाजपच्या चिन्हावर निवडणूक लढवत आहेत. उमेदवारी अर्ज भरण्यापूर्वी संतोष शेट्टी आणि त्यांच्या सहकाऱ्यांनी पद्मानगर परिसरातून एक भव्य रॅली काढली.

दै० नवराष्ट्र

## बालेकिल्ल्यात जोरदार शक्तिप्रदर्शन...

भिवंडी, भिवंडी पालिकेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीच्या आजच्या शेवटच्या दिवशी उमेदवारी अर्ज भरण्यासाठी वेगवेगळ्या प्रभागातून जोरदार शक्तिप्रदर्शन करीत आपला उमेदवारी अर्ज दाखल केला आहे .कामतघर भागात शिवसेनेच्या झेंड्या खाली ३५ वर्षा पासून नेतृत्व करणारे प्रभाग क्रमांक २१ चे शिवसेना उमेदवार माजी उपमहापौर मनोज काटेकर यांच्या नेतृत्वाखाली ढोलताशांच्या गजरात जोरदार शक्तिप्रदर्शन करीत आपली पत्नी माजी नगरसेविका वंदना काटेकर, संदीप भोईर वनिता सुनील भगत यांच्या समर्थनार्थ निघालेल्या रॅलीत संपूर्ण परिसरातून शेकडी स्त्री पुरुष सहभागी झाले होते. कामतघर,ओसवाल वाडी,भारत कॉलनी या भागातविकासाची कामे करून या परिसराचा कायापालट करण्याची सधी येथील जनतेने दिली आहे.

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

दै० महाराष्ट्र टाइम्स

# भिवंडीत उमेदवारी अर्ज भरण्यासाठी गर्दी

म. टा. प्रतिनिधी, ठाणे

भिवंडी महापालिकेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवारी अर्ज भरण्याच्या अखेरच्या दिवशी मंगळवारी सर्वच राजकीय पक्षातील उमेदवारांसह इच्छुक तसेच अपक्षांनी उमेदवारी अर्ज भरण्यासाठी गर्दी केली होती. यावेळी काहींनी जोरदार शक्तिप्रदर्शन केले. दुपारी तीन वाजेपर्यंत अर्ज भरण्याची वेळ संपल्यानंतर तोपर्यंत आलेल्या उमेदवारांना टोकन देण्यात आले होते, अशी माहिती भिवंडी महापालिकेच्या एका अधिकाऱ्याने दिली.

भिवंडी महापालिकेमध्ये एकूण ९० जागा असून ही निवडणूक अत्यंत अटीतटीची होण्याची शक्यता निर्माण झाली आहे. काँग्रेस स्वबळावर निवडणूक लढवत असून समाजवादी पक्षही स्वतंत्रपणे निवडणुकीच्या रिंगणात उतरला आहे. तर, शिवसेना (उबाठा) आणि मनसे एकत्र आले आहेत. शिवसेना-भाजपच्या युतीबाबत अद्याप अधिकृतपणे स्पष्ट झाले नसले तरी मंगळवार उमेदवारी अर्ज भरण्याचा शेवटचा दिवस असल्याने सर्वच उमेदवारांनी अर्ज भरण्याच्या ठिकाणी गर्दी केली होती. यावेळी उमेदवारांनी जोरदार शक्तिप्रदर्शन केले.

## उमेदवारांचे जोरदार शक्तिप्रदर्शन

### उमेदवारांना टोकन

सकाळी ११ ते दुपारी ३ वाजेपर्यंत अर्ज स्वीकारण्याची वेळ होती. परंतु, वेळ संपल्यानंतरही अर्ज भरण्यासाठी उमेदवार रांगेत होते. अशा उमेदवारांना टोकन देण्यात आले होते. दरम्यान, सोमवारी २५४ उमेदवारी अर्ज दाखल झाले होते. या अर्जांची आज, बुधवारी छाननी होणार असून उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याची अंतिम मुदत २ जानेवारी आहे.

दै० पुढारी

## शिवसेनेचे कामतघरमध्ये जोरदार शक्तिप्रदर्शन

**भिवंडी :** भिवंडी महानगरपालिकेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीच्या आजच्या शेवटच्या दिवशी उमेदवारी अर्ज भरण्यासाठी वेगवेगळ्या प्रभागातून जोरदार शक्तिप्रदर्शन करीत आपला उमेदवारी अर्ज दाखल केला आहे. कामतघर भागात शिवसेनेच्या झेंड्याखाली ३५ वर्षांपासून नेतृत्व करणारे प्रभाग क्रमांक २१ चे शिवसेना उमेदवार माजी उपमहापौर मनोज काटेकर यांच्या नेतृत्वाखाली ढोलताशांच्या गजरात जोरदार शक्तिप्रदर्शन करीत आपली पत्नी माजी नगरसेविका वंदना काटेकर, संदीप भोईर वनिता सुनील भगत यांच्या समर्थनार्थ निघालेल्या रॅलीत संपूर्ण परिसरातून शेकडो स्त्री पुरुष सहभागी झाले होते. कामतघर, ओसवाल वाडी, भारत कॉलनी या भागात शासनाच्या विविध योजनेतून सर्व विकासाची कामे करून या परिसराचा कायापालट करण्याची संधी येथील जनतेने दिली आहे. त्या कामात आम्हाला यश मिळाल्याने येथील आव्हान आम्ही नगण्य मानत असून येथील जनता साडेतीन वर्ष निवडणुकांची वाट बघत होते. त्याकाळात पदाची पर्वा नाही कामाची हमी हे ब्रीद वाक्य बाळगून आम्ही काम करत राहिलो त्यामुळे जनता स्वयंस्फूर्तीने उस्फुर्त पणे सहभागी होऊन आम्हाला आशीर्वाद देत आहे असे प्रतिपादन माजी उपमहापौर मनोज काटेकर यांनी दिली आहे.

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

हिन्दी सा० खबर दर खबर दि० 31/12/2024

# पूर्व महापौर पर केस और लाखों की नकदी जब्त

■ जाकिर हुसैन अंसारी

भिवंडी मनपा चुनाव 2025-26 की घोषणा के साथ ही भिवंडी में राजनीतिक पारा चढ़ने लगा है। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिसके तहत प्रशासन ने दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम दिया है। जिसमें एक ओर पूर्व महापौर के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर भारी मात्रा में संदिग्ध नकदी बरामद की गई है।

## ■ पूर्व महापौर विलास पाटिल पर प्राथमिकी

भिवंडी मनपा चुनाव की दहलीज पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है। प्रभाग क्रमांक 1 के संगमपाडा और म्हाडा कॉलोनी क्षेत्र में बिना अनुमति के सड़क निर्माण

कार्य कराने के आरोप में पूर्व महापौर विलास पाटिल, उनके पुत्र मयुरेश पाटिल के अलावा इरफान हबीब अंसारी और जहीरुद्दीन जमीर अंसारी सहित चार लोगों के खिलाफ निजामपुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। चुनाव निर्णय अधिकारी के उड़न दस्ते (फ्लाइंग स्क्वाड) को शिकायत मिली थी कि मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से अवैध रूप से सड़क पर गिट्टी डालकर निर्माण कार्य किया जा रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने जब डंपर चालक और कर्मचारियों से पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह कार्य पाटिल परिवार के निर्देश पर किया जा रहा था। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223, 285 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## ■ नाकेबंदी में 8.28 लाख की नकदी बरामद

दूसरी ओर चुनाव के दौरान अवैध धनबल के प्रयोग को रोकने के लिए तैनात 'स्थिर निगरानी पथक' (SST) ने बड़ी सफलता हासिल की है। अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के मार्गदर्शन में नदीनाका परिसर में की गई नाकेबंदी के दौरान 23 दिसंबर मंगलवार शाम 6.38 बजे एक लग्जरी कार (किआ सेल्टॉस) की तलाशी ली गई। इस दौरान वाहन से 8 लाख 28 हजार 900 रुपये की नकद राशि बरामद हुई। वाहन में सवार व्यक्ति इस भारी भरकम राशि के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज या संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। चुनाव आयोग के कड़े निर्देशों के तहत टीम ने पंचों की उपस्थिति में पंचनामा कर पूरी राशि को जब्त कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए निजामपुर पुलिस को सौंप दिया।

## ■ उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

इन दो बड़ी कार्रवाइयों ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के बीच हड़कंप मचा दिया है। निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की प्रलोभनकारी गतिविधि या अवैध वित्तीय लेनदेन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी तंत्र और पुलिस बल को और अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

हिन्दी सा० खबर-दर-खबर दि० 31/12/2024 से दि० 6/1/2025

# पिछले मनपा चुनाव की कहानी 'ख़बर-दर-ख़बर' की ज़ुबानी

■ मुनीर अहमद मोमिन

पिछले 4थे मनपा चुनाव की 90 सीटों के लिए 2017 में हुए चुनाव में कुल 460 प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया था। जिसमें कांग्रेस के 64, भाजपा के 57, शिवसेना के 55, सपा के 32, एकत्रित एनसीपी (राकांपा) के 32, कोणार्क विकास आघाड़ी के 16, AIMIM के 09, मनसे के 07, बसपा के 05, संभाजी ब्रिगेड के 04, RPI (एकतावादी) के 04, RPI (सेक्यूलर) के 03, भरिपा बहुजन महासंघ के 02 और जनता दल यूनाइटेड के 01 यानि 14 दलों से कुल 291 दलगत प्रत्याशियों और 169 निर्दलीय प्रत्याशी का समावेश था। जिनके लिए कुल कुल चार लाख 79 हज़ार 253 मतदाताओं में से 100593 स्त्री और 145991 पुरूष और एक अन्य मतदाता सहित कुल 2,46,585 मतदाताओं यानि 51.45 फीसदी लोगों ने मतदान किया था।

जिसमें से कांग्रेस ने 64 लड़कर 47 सीटों, भाजपा ने 57 सीट लड़कर 19 सीटों, शिवसेना ने 55 सीट लड़कर 12 सीटें, सपा ने 32 सीटें लड़कर 2 सीट, कोणार्क विकास आघाड़ी ने 16 सीटें लड़कर 4 सीटों, RPI (एकतावादी) ने 04 सीटें लड़कर 4 सीट और 169 निर्दलियों ने केवल 2 सीटों पर सफलता पाई थी। जबकि एकत्रित एनसीपी (राकांपा) ने 32 सीटें लड़कर 00, AIMIM ने 09 सीटें लड़कर 00, मनसे ने 07 सीटें लड़कर 00, बसपा ने 05 सीटें लड़कर 00, संभाजी ब्रिगेड ने 04 सीटें लड़कर 00, RPI (सेक्यूलर) ने 03 सीटें लड़कर 00, भरिपा बहुजन महासंघ ने 02 सीटें लड़कर 00 और जनता दल यूनाइटेड ने 01 सीट लड़कर 00 सीटों पर घोर असफलता हासिल किया था। 169 निर्दलीय प्रत्याशियों में से 167 को भी कड़ी हार का कड़वा घूंट पीना पड़ा था। इसी तरह 6944 लोगों ने मिलकर नोटा के पक्ष में कुल 19,455 मत दिया था।

## 2017 में भी थी परिवारवाद की धूम

मालूम हो कि 2017 के मनपा आम चुनाव में 6 मियां-बीवी का जोड़ा, एक अदद भाई-भाई और एक अदद देवरानी-जेठानी का जोड़ा जीतकर मनपा पहुंचा था। जबकि मनपा चुनावी मैदान में कुल 10 अदद पति-पत्नी के जोड़ों सहित दो भाई-भाई और एक देवरानी जेठानी का जोड़ा मैदान में था। जिसमें कांग्रेस से तीन, शिवसेना से दो और कोणार्क विकास आघाडी से एक पति-पत्नी का जोड़ा चुनाव जीत गया है। वहीं कोणार्क विकास आघाड़ी से एक अदद सगे भाई-भाई के जोड़े के साथ-साथ कांग्रेस से देवरानी-जेठानी का भी एक जोड़ा चुनाव जितने में कामयाब हुआ था।

घटिया राजनीति के लिए कुख्यात रही भिवंडी के लिए 'चोर-चोर मौसेरे भाई' वाली मशहूर लोकोक्ति भिवंडी मनपा की राजनीति पर हमेशा चरितार्थ होती रही है। चाहे तबकी नगरपालिका हो या अबकी महानगरपालिका, यहां हमेशा दलगत राजनीति का जनाजा निकलता रहा है। जिसके चलते यहां बहुमत अथवा पार्टीगत नीतियां सिरे से अर्थहीन रही हैं। जिसके चलते कांग्रेस, सपा, शिवसेना और भाजपा ने मिल बांटकर खाने में कभी परहेज नहीं किया। जिधर से माल मिला, उधर के हो गए। पार्टी और उसकी नीतियां गईं भाड़ में।

## बिकेले यार किसके, माल मिला और खिसके

इस गोला पर शायद भिवंडी ही ऐसा शहर होगा जहां तब नगराध्यक्ष और अब महापौर बनने के लिए बहुमत नहीं मोटा माल की जरूरत रही है। यहां सर्वाधिक हमेशा सपा के नगरसेवक और 2012 व 2017 में कांग्रेस के नगरसेवक जनमत के मुंह पर थूके हैं। क्योंकि बहुमत से भी एक सीट ज्यादा रखने वाली कांग्रेस के 47 नगरसेवकों ने पार्टी से दग़ाबजी करके 2019 में महज 4 नगरसेवकों वाली कोणार्क विकास आघाडी के प्रतिभा विलास पाटिल को मेयर चुनवा दिया। इस तरह इस खेल के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी कांग्रेसी नगरसेवक इमरान खान ने ही 18 नगरसेवकों के साथ खुद दग़ाबाजी करके उन्हीं प्रतिभा पाटिल को महापौर बनवाते हुए खुद उप महापौर बन बैठे। जिन प्रतिभा पाटिल ने महज 6 सीटें रखते हुए भी 27 सीटें रखने वाली कांग्रेस के इमरान खान की पत्नी मिरबाह खान को 2012 की मनपा कौंसिल में दो कांग्रेसी नगरसेवकों का पाला बदलवाते हुए श्रीमती खान को महापौर चुनाव में पटखनी दिया था। छिप के बावजूद कांग्रेस पार्टी से गद्दारी करने वाले उन दो नगरसेवकों में डा. नूर निज़ामुद्दीन अंसारी का भी समावेश था। उन्हें भी तब कांग्रेस से गद्दारी के इनाम स्वरूप उप महापौर बनाया गया था। आज वही डा. नूर प्रदेश कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी हैं। क्योंकि भिवंडी कांग्रेस का इतिहास हमेशा से थूककर चाटने का रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दी सा. खबर-दर-खबर दि० 31/12/2024 से दि० 6/1/2024

# मनपा चुनाव : 'ढाबा संस्कृति' और 'धनबल' पर नकेल कसने की मांग

■ मुनीर अहमद मोमिन

भिवंडी महानगरपालिका के आम चुनाव को लेकर शहर में पारदर्शिता, निष्पक्षता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की मांग तेज होती जा रही है। इसी क्रम में भिवंडी शहर के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन और चुनाव आयोग से अपील की है कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली तथाकथित 'ढाबा संस्कृति' पर तत्काल और सख्त रोक लगाई जाए। नागरिकों का कहना है कि यह प्रवृत्ति न केवल आदर्श आचारसंहिता का खुला उल्लंघन है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी अत्यंत घातक सिद्ध हो रही है।

बताया जा रहा है कि पुराने धाघ और प्रभावशाली नगरसेवकों के साथ ही मनपा चुनाव के संभावित उम्मीदवार अपनी काली कमाई के दम पर अभी से ही युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए शहर के बाहरी ग्रामीण इलाकों में स्थित ढाबों का सहारा ले रहे हैं। इन ढाबों पर युवाओं को खिला-पिलाकर, बहला-फुसलाकर वोट हासिल करने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। यह 'ढाबा संस्कृति' युवाओं की आदतों को बिगाड़ने के साथ-साथ स्वच्छ छवि वाले, ईमानदार और मुद्दों पर आधारित उम्मीदवारों के चुनाव में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रही है।

नागरिकों का मत है कि इन ढाबों पर खुलेआम आचारसंहिता की धज्जियां उड़ाई जाती हैं, जहां धनबल का अंधाधुंध उपयोग कर

मतदाताओं को प्रभावित किया जाता है। इसी कारण पुलिस विभाग से मांग की जा रही है कि सभी पुलिस स्टेशन स्तर पर विशेष निगरानी रखी जाए और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त ढाबों पर कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही सुझाव दिया गया है कि चुनाव आयोग द्वारा ढाबों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तत्काल अंकुश लगाया जा सके। इतना ही नहीं यह भी आरोप सामने आ रहे हैं कि कुछ उम्मीदवार बाहर से असामाजिक तत्वों और गुंडों को बुलाकर अपने क्षेत्रों में रौब जमाने और डर का माहौल बनाकर चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं। इस पर भी पुलिस और खुफिया तंत्र को सतर्क रहकर सख्त निगरानी रखने की आवश्यकता बताई गई है।

शहर के जागरूक जनों ने ढाबा संस्कृति की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि चुनाव के दौरान धनबल का अनावश्यक और बेलगाम उपयोग कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बनता जा रहा है। पूर्व नगरसेवक जो अपने वार्ड की समस्याओं से अनजान रहे, अब अपनी काली कमाई के बल पर उम्मीदवारी हासिल कर ढाबों सहित विभिन्न प्रलोभनों का सहारा ले रहे हैं। नागरिकों ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि ऐसे सभी कृत्यों पर आदर्श आचारसंहिता के तहत सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भिवंडी मनपा चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप संपन्न हो सके।

## ■ लोकतंत्र निगलती 'ढाबा संस्कृति'

भिवंडी में लोकतंत्र की शुचिता पर मंडराते खतरे के बीच नागरिकों ने युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए अपनाई जा रही तथाकथित 'ढाबा संस्कृति' पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की है। जनता का कहना है कि काली कमाई और धनबल के सहारे वोट साधने की यह प्रवृत्ति न केवल निष्पक्ष चुनाव की भावना को चोट पहुंचा रही है, बल्कि युवाओं की सामाजिक आदतों को भी विकृत कर रही है। नागरिकों ने पुलिस और चुनाव आयोग से बाहर से आने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी और सख्त कार्रवाई की अपील की है। अब देखना है कि प्रशासन इस जन-आवाज को कितनी गंभीरता से लेता है।

Scanned with OKEN Scanner

दि० 31/12/2024

दै० मुंबई उर्दू न्यूज

# بھیونڈی میں پینل کی طرز پر الیکشن: ایک کلوگڑ کے ساتھ تین کلو گوبر مفت

بھیونڈی: 30 دسمبر (فہیم انصاری کے ذریعے) مقامی میونسپل کارپوریشن انتخابات میں اس بار پینل کے طرز پر الیکشن نے سیاست کے روایتی اصولوں کو الٹ کر رکھ دیا ہے۔ کہا جاتا ہے کہ سیاست میں کچھ بھی مفت نہیں ملتا، مگر پینل طرز نے گویا یہ محاورہ ہی بدل دیا ہے۔ اب ووٹر کو ایک کلوگڑ کے ساتھ تین کلو گوبر بھی مفت میں تھمایا جا رہا ہے۔ سیاسی حلقوں میں اس نئی طرز کو طنزیہ انداز میں اسی نام سے یاد کیا جا رہا ہے۔ درحقیقت پینل کا مقصد میونسپل کارپوریشن انتخابات میں آزاد امیدواروں کی بڑھتی ہوئی تعداد کو روکنا تھا۔ مختلف سیاسی جماعتوں کا ماننا تھا کہ آزاد امیدوار منتخب ہو کر بعد میں خرید و فروخت، لالچ اور عہدوں کے چکر میں کبھی اِدھر تو کبھی اُدھر ہو جاتے ہیں اور اقتدار کی سیاست میں رکاوٹ بن جاتے ہیں۔ اسی خدشے کے تحت پینل طرز کو انتخابی میدان میں اتارا گیا۔ تاہم عملی طور پر اس پینل کے نتائج توقعات کے برعکس سامنے آ رہے ہیں۔ اگر پینل میں ایک امیدوار اچھا ہے تو اس کے ساتھ تین کمزور امیدواروں کا بوجھ بھی عوام کو اٹھانا پڑتا ہے۔ کہیں دو اچھے امیدوار ہیں تو دو غیر ضروری ناموں کو قبول کرنا مجبوری بن جاتا ہے، اور اگر تین بہتر امیدوار بھی ہوں تو چوتھا بادلِ نخواستہ گلے لگانا پڑتا ہے۔ بھیونڈی میں صورتحال مزید دلچسپ ہو گئی ہے۔ یہاں پارٹی سے وابستگی رکھنے والے منتخب نمائندے بھی سیاسی بازار میں سرِ عام فروخت ہوتے دکھائی دیتے ہیں۔ موجودہ انتخابات میں کانگریس سے نکالے گئے اور قانونی عمل کے تحت نااہل یا متنازع قرار دیے گئے تقریباً 18 سابق مرد و خواتین کارپوریٹرس اپنے اہلِ خانہ کو امیدوار بنا کر فائدہ حاصل کرنے کی کوششوں میں مصروف نظر آ رہے ہیں۔ یہ تمام افراد بڑے جوش و خروش کے ساتھ این سی پی میں شامل ہوئے تھے اور انہیں یقین دہانی کرائی گئی تھی کہ کوئی نہ کوئی "جوگاڑ" کر کے سب کو مستقل کیا جائے گا۔ ایک وقت تھا جب ہر ہفتے ممبرا کے لیڈر بھیونڈی میں دورے پر آتے، اس وقت پھولوں کی بارش، جے سی بی اور بلڈوزر کی سیاست عروج پر تھی اور وفاداروں کے نعرے گونج رہے تھے۔ مگر موجودہ حالات میں وہی جوش ماند پڑتا دکھائی دے رہا ہے۔ جنہیں راشٹروادی اور سائیکل کا سہارا تھا، اب وہ بھی غیر یقینی صورتحال کا شکار ہیں۔ سیاسی منظرنامے میں بدلتے اتحاد اور بیانات نے ان کی مشکلات میں مزید اضافہ کر دیا ہے۔ سیاسی مبصرین کا کہنا ہے کہ حالات یہاں تک پہنچ چکے ہیں کہ این سی پی کے لیے اس بار بھی ویسی ہی صورتحال بنتی نظر آ رہی ہے جیسی 2017 کے کارپوریشن انتخابات میں دیکھی گئی تھی، جہاں پارٹی کا کھاتہ کھلنا بھی مشکل ہو گیا تھا۔ موجودہ انتخابی ماحول میں یہی اندازے لگائے جا رہے ہیں کہ پینل طرز نے فائدے کے بجائے کئی جماعتوں کے لیے مشکلات ہی بڑھا دی ہیں۔ مجموعی طور پر دیکھا جائے تو بھیونڈی سمیت پورے علاقے میں مقامی کارپوریشن انتخابات ایک بار پھر طنز، تمثیل اور سیاسی اتار چڑھاؤ کی مثال بن چکے ہیں، جہاں ووٹر بھی سوچ میں ہے اور سیاستدان بھی، کہ آخر اس "پینل" میں گڑ زیادہ ہے یا گوبر۔


**روزنامہ ممبئی اردو نیوز کا ای میل آئی ڈی تبدیل**

قارئین اور نامہ نگاروں کو اطلاع دی جاتی ہے کہ روزنامہ ممبئی اردو نیوز کا ای میل آئی ڈی تبدیل ہوگیا ہے۔ خبروں کیلئے نیا ای میل آئی ڈی newsmumbaiurdu@gmail.com

برائے کرم اب آپ اس نئے ای میل پر خبریں، مضامین، مراسلات، ثقافتی خبریں روانہ کریں۔ (ادارہ)

اور اشتہارات کیلئے advtmumbaiurdunews@gmail.com